हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 01 अंक–106 : जौनपुर, गुरुवार 22 दिसम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय टीम–09 के साथ की समीक्षा : दिया आवश्यक दिशा–निर्देश

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : विभिन्न देशों में बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कोविड प्रबंधन के लिए गठित उच्चस्तरीय टीम–09 के साथ गुरुवार को प्रदेश की स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। यद्यपि विभिन्न देशों में विगत एक सप्ताह से कोविड के नए केस में बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश में स्थिति सामान्य है। दिसम्बर माह में प्रदेश की कोविड पॉजिटिविटी दर 0.01% रही है। वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 62 है। विगत 24 घंटों में 27,208 हजार टेस्ट किए गए और एक भी नए मरीज की पुष्टि नहीं हुई। इसी अवधि में 33 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में कोविड से बचाव के लिए ट्रेस, टेस्ट, ट्रीटमेंट और टीका की रणनीति सफल सिद्ध हुई है। संभव है आने वाले कुछ दिनों में नए केस में बढ़ोतरी हो, ऐसे में हमें अलर्ट रहना होगा। यह समय घबराने का नहीं, सतर्क और सावधान रहने का है। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करना होगा। अस्पतालों, बस, रेलवे स्टेशन, बाजारों जैसे भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाए जाने के लिए लोगों को जागरूक करें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को एक्टिव करें। कोविड की बदलती परिस्थितियों पर सूक्ष्मता से नजर रखी जाए। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग बेहतर समन्वय के साथ तैयारी करें। राज्य स्तरीय स्वास्थ्य सलाहकार समिति के परामर्श के अनुसार आगे की नीति तय की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार से सतत संपर्क–संवाद बनाए रखें। कोविड के नए वैरिएंट पर सतत नजर रखी जाए। जो भी नए केस मिले, उनकी जीनोम सिक्वेंसिंग कराई जाए। दैनिक टेस्टिंग को बढ़ाया जाए। गंभीर, असाध्य रोग से ग्रस्त लोगों, बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। कोविड प्रबंधन में इंटेग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की उपयोगिता का हम सभी ने अनुभव किया है। गृह, स्वास्थ्य और नगर विकास विभाग परस्पर समन्वय के साथ आइसीसीसी को फिर से एक्टिव करने की तैयारी करें। प्रधानमंत्री जी के मंत्र ''जहां बीमार–वहीं उपचार'' की भावना के अनुरूप ग्राम प्रधानों, एएनएम, आशा बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का सहयोग लिया जाए। कोविड के खिलाफ अब तक की लड़ाई में इन लोगों ने बड़ी भूमिका निभाई है। इस वर्ग को पुनः एक्टिव करें। ताकि यह अपने क्षेत्रों में बीमार, कोविड लक्षण युक्त लोगों पर नजर रखें, जरूरत के अनुसार तत्काल अस्पताल/डॉक्टर की सेवाएं

उपलब्ध कराएं। कोविड के बीच अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया गया था। हर जिले में आईसीयू, वेंटिलेटर, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई थी। सभी अस्पतालों में चिकित्सकीय उपकरणों की क्रियाशीलता, डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, हर अस्पताल में पर्याप्त संसाधन होने चाहिए। चिकित्सा संस्थानों की अद्यतन आवश्यकताओं का परीक्षण करते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों के नए पद सृजित किए जाएं। पुराने पदों में कोई कटौती न की जाए। यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता के साथ किया जाए। अच्छी गुणवत्ता के साथ दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हों, यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश में जीवनरक्षक दवाओं की कमी न हो। मेडिकल सप्लाई कारपोरेशन की कार्यपद्धति में सुधार की जरूरत है। स्वास्थ्य मंत्री स्तर से विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाए। एक जिला–एक मेडिकल कॉलेज लक्ष्य के सापेक्ष विगत दिनों 06 जनपदों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इसके लिए 42 कंपनियों/संस्थाओं ने अपनी रुचि दिखाई है। योग्य और समर्थ का चयन कर यथाशीघ्र मेडिकल कॉलेज निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। कोविड संक्रमण से बचाव में टीके की उपयोगिता स्वयंसिद्ध है। 39.06 करोड़ वैक्सीनेशन डोज के साथ उत्तर प्रदेश सर्वाधिक टीका लगाने वाला राज्य है। प्रदेश में 4.48 करोड़ प्रीकॉशन डोज भी लगाए जा चुके हैं। कोविड के नए वैरिएंट के दृष्टिगत प्रीकॉशन डोज लगाए जाने में तेजी की अपेक्षा है। लोगों को प्रीकॉशन डोज की जरूरत और उपयोगिता के बारे में जागरूक किया जाए। प्रयागराज माघ मेले के व्यवस्थित आयोजन के लिए अंतर विभागीय समन्वय के साथ कार्य हो। कल्पवासियों, श्रद्धालुओं, साधु–संतों, को पूर्व में मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। प्रदेश में पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हुई बाजरा की खरीद की प्रगति उत्साहजनक है। अब तक 45000 मीट्रिक टन खरीद हो चुकी है। किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी जिले में कमी न हो।

कानून के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाएं – विकास तिवारी

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : युवा अधिवक्ता संघ जौनपुर के तत्वाधान में प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम पत्रक सौप कर कानून के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिए जाने की मांग की है। उपरोक्त अवसर पर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि सन 1936 में महात्मा गांधी जी ने एक समान शिक्षा की बात उठाई थी,2002 में संविधान के अनुच्छेद 21ए (भाग 3) के माध्यम से 86वें संशोधन विधेयक में 6 से 14 साल के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया,शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009 बनाया गया,और एक साथ पूरे देश में लागू हुआ परिणामतः देश में शिक्षित लोगों की संख्या व शिक्षा का स्तर काफी बढ़ा, देश की वर्तमान परिस्थितियों का गंभीरता से अध्ययन करने पर व देश तथा प्रदेश में बढ़ते हुए अपराध तथा आपराधिक घटनाओं को देखने पर यह आवश्यकता महसूस होती है कि भारत देश में प्राइमरी शिक्षा से ही छोटे बच्चों को कानून की अनिवार्य रूप से शिक्षा दी जाए, उन्हें कार्टून के माध्यम से संविधान व कानून का ज्ञान दिया जाए और बड़े बच्चों में भी जागरूकता हेतु कार्यक्रम चलाए जाएं,आज समाज में बढ़ते हुए अपराध का कारण भी कानून को न जानना ही है, यदि कानून का अर्थात आरटीएल (राइट टू लां) को प्राइमरी शिक्षा से ही अनिवार्य कर दिया जाएगा तो निश्चित ही हमारा देश कानून को जानने वाला एक शिक्षित देश बन जाएगा और देश में अपराध अपराधिक घटनाओं का घटित होना कम हो जाएगा। इस अवसर पर अधिवक्ता अतुल सिंह ने कहा कि कानून के विषय की जानकारी को सरकार से संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार घोषित करने की हमारी मांग जायज हैं जिससे कि शिक्षा में कानून संबंधित ज्ञान अनिवार्य रूप से लागू हो सके समाज में बढ़ते हुए अपराध व आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए प्राइमरी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को कार्टून के माध्यम से कानून की शिक्षा दिया जाए तथा बड़े बच्चों के बीच विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाए, भारत देश में अब तक लगभग 10,000 से अधिक कानून बन चुके हैं जिनमें से लगभग 4000 कानून ही उपयोग में लाए जा रहे हैं लेकिन जब भी कोई आपराधि

क घटना घटती है तो घटना के विरोध में समाज द्वारा आवाज उठती है कि कठोर कानून बने और इस कठोर कानून की मांग पर सरकार द्वारा समाज को एक नया कानून बनाकर दे दिया जाता हैघ्घ्।लेकिन देखा जा रहा है कि सिर्फ कानून बना देने से आपराधिक घटनाओं पर अंकुश नहीं लग रहा है अपराध और अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने का एकमात्र उपाय है समाज को ''कानून के विषय की जानकारी'' दी जाए। शिक्षा के माध्यम से कानून के संदर्भ में जागरूकता लाना अपने आप में एक सराहनीय कदम हो सकता है। जिस तरह से शिक्षा एक संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है ठीक उसी तरह शिक्षा में कानून संबंधित ज्ञान शिक्षा का अभिन्न एवं व्यक्ति का एक मौलिक अधिकार होना चाहिए। आदर्श नागरिकता,कर्तव्य परायणता, समाज के प्रति संवेदनशीलता, प्रकृति एवं जीव जंतुओं के प्रति उदारता के साथ कर्तव्य और अधिकार के प्रति सजगता एक आदर्श नागरिक की पहचान है।कानून का ज्ञान होना सामाजिक नियंत्रण की दिशा में एक कारगर कदम है,और आज आवश्यकता है कि कानून के ज्ञान संबंधित प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कदम उठाया जाए तथा सरकार ''कानून का अधिकार'' को मौलिक अधिकार का दर्जा दें।सरकार द्वारा कानून के विषय की जानकारी नामक इस मौलिक चिंतन को संवैधानिक ढांचे में रखने का प्रयास होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस पर विस्तृत बैठक कर जनपद ही नही बल्कि प्रदेश के बहुप्रतिस्ठित शैक्षणिक संस्थानों में सेमिनार आयोजित कर अधिकार'' (राइट टू लां) को संवैधानिक अधिकार, मौलिक अधिकार का दर्जा दिया जाए इस पर बेहतरी से प्रयास किया जाएगा। ज्ञापन देने वालो में विकास तिवारी,अतुल सिंह,राजन तिवारी, रजनीश शुक्ल,अरशी अहमद,शिव मिश्र, शिवराज यादव, रंजीत यादव,पदमाकर उपाध्याय,सैयद जैगम,वरूण श्रीवास्तव, शिवेंद्र पाठक,कृष्णा गुप्ता,कलेंदर बिंद, अंकित यादव, नवीन कुमार,मिथिलेश कुमार, शैलेन्द्र यादव, आनंद कुमार , गुड्डू खां,विद्याधर तिवारी समेत अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

राजस्थान में जौनपुर के लाल लोकप्रिय गायक आशीष पाठक अमृत हुए सम्मानित

कोटा, (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : राजस्थान राजस्थान सरकार के द्वारा दशहरा मैदान में महिला अधिकारिता विभाग द्वाराआयोजित

संभाग स्तरीय अमृता हाट कार्यक्रम में पूर्वांचल के प्रख्यात भजन गायक आशीष पाठक अमृत(टी सीरीज)हुए सम्मानित सोसाइटी हैस ईव शी द्वारा कोटा में आयोजित द्वारा चल रहे अमृता हाट कार्यक्रम में पूर्वांचल के प्रख्यात देवी गीत में भजन गायक आशीष पाठक अमृत बुधवार की शाम अपनी गायकी से कोटा में जलवा बिखेरा श्री पाठक की एक से बढ़कर एक गीत यहां रखवाले बैठे हैं हनुमान जी ''बिटिया है यही खातिर मार रहे हो बाबू जी ।'' मेरे राम की नगरिया '''मुन्नी के फीस ना भराईल ।मेरे खाटू की कृपा से सब काम हो रहा ।है तथा हे जग जननी'जब सुनाया तो श्रोता थिरकते नजर आए कार्यक्रम का संचालन डॉ निधि प्रजापति ने किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महिला अधिकारिता विभाग के जिला निदेशक मनोज मीणा एवं अध्यक्षता विमेन वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन ऑफ वर्ल्ड की नीतू मेहता भटनागर रही इस अवसर पर एडवोकेट प्रतिभा दीक्षित डॉ नेहा अवस्थी ने पूनम तिवारी आभा मिश्रा और मेघना जैन ने भी अपने गीत प्रस्तुत किए तथा सभी ने मिलकर श्री पाठक को सम्मानित भी किया।इस उपलब्धि से पूरे परिवार के साथ साथ श्री पाठक जी के गृह जनपद जौनपुर में खुशी का माहौल व्याप्त है।

टी0डी0 इण्टर कालेज में प्रो0 तिलकधारी सिंह मेधा पुरस्कार वितरण समारोह का किया गया शुभारम्भ

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : टी0डी0 इ0 कालेज के मार्कण्डेय सिंह सभागार में आयोजित प्रो0 तिलकधारी सिंह मेधा पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जिला सेवा योजना अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण करके किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला सेवा योजन अधिकारी राजीव कुमार सिंह ने कहा कि सम्पूर्ण राष्ट्र में जनपद जौनपुर का अभिज्ञान तिलकधारी सिंह इण्टर कालेज से सम्बद्ध है। हम संस्था का छात्र होने के कारण गौरवान्वित अनुभूति करते हैं प्रबन्धक सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि संस्था के विकास में संसाधनों की कमी नहीं होगी। संस्था के प्रधानाचार्य डॉ0 वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा संस्था कि प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर अपने योगदान के माध्यम से आभा का प्रसारण कर रही है। प्रयागराज के विद्वान डॉ0 राम किशोर झा ने अपने उद्बोधन के माध्यम से छात्रों को प्रगति पथ पर अनवरत चलने हेतु प्रेरित किया। प्रो0 तिलकधारी सिंह मेधा पुरस्कार प्राप्त करने वालों में से प्रथम स्थान पर रहे कक्षा–11वी के छात्र अमन यादव को प्रमाण पत्र सहित दो हजार रू0 नगद धनराशि, द्वितीय स्थान पर रहे कक्षा–11 विज्ञान संवर्ग की बालिका दीपिका सिंह को प्रमाण पत्र सहित दो हजार रू0 नगद धनराशि, तृतीय स्थान पर रहे कक्षा– 11बी0 के छात्र अभय प्रजापति को प्रमाण पत्र के साथ एक हजार रू0 नगद धनराशि, चतुर्थ स्थान पर रहे 11सी के छात्र प्रिन्स विश्वकर्मा को प्रमाण पत्र सहित एक हजार रू0 नगद धनराशि, पंचम स्थान पर रहे 11 विज्ञान संवर्ग की छात्रा कली गुप्ता को प्रमाण पत्र सहित

एक हजार रू0 नगद धनराशि प्रदान किया गया। पुरस्कृत सभी छात्र–छात्राओं को चार लेखनी तथा एक–एक सामान्य ज्ञान कि पुस्तक भी पुरस्कार के रूप में प्रदान किया गया। समारोह में छात्र–छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अंशिका, निधि एवं पूजा द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वन्दना से उपस्थित जन समुदाय श्रद्धा से परिपूर्ण हो गया। जागृति एवं पूजा के द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत का श्रवण कर उपस्थित जन समुदाय मंत्र मुग्ध हो गया। कक्षा 8 के छात्रा तृप्ति पाण्डेय, दीक्षा पाण्डेय एवं पल्लवी यादव द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव का श्रवण कर उपस्थित जन समुदाय भाव विभोर हो गया। समारोह में विशेषकर तिलकधारी सिंह, दिनेश कुमार सिंह, जर्नादन सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, श्याम नारायण मौर्य, हरिनारायण यादव, आशीष कुमार सिंह, कपिलदेव सिंह, मनोज कुमार सिंह, सुभाष चन्द्र, राजेश पाल, अभिषेक कुमार सिंह, रवि प्रकाश, प्रमोद कुमार, डॉ0 अनिल सिंह, डॉ0 प्रीति उपाध्याय, नम्रता सिंह, डॉ0 रीता सिंह, गीता देवी, सरिथा सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, मनोज कुमार, रमेश चन्द्र, अम्बर कुमार सिंह, प्रदीप कुमार यादव, कमलेश यादव सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे। समारोह कि अध्ययक्ष डॉ0 राम किशोर झा तथा संचालन प्रवक्ता डॉ0 सुनील कुमार सिंह ने किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में चकबंदी कार्य की समीक्षा विकास भवन के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में ऐसे गाँव जिनमे 50 साल से चकबंदी लंबित है कि विस्तार से समीक्षा की और निर्देशित किया कि इन गांवो में अभियान चलाकर जनवरी 2023 तक चकबंदी कार्य पूर्ण कराये। पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के बावजूद चकबंदी कार्य पूर्ण न कराये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित सीओ को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि एसओसी स्वयं पिलकिक्षा गांव जाएं और रिकॉर्ड सही कराये और पिलकिछा गांव में चकबंदी कार्य पूर्ण कराये। जिलाधिकारी के द्वारा तहसील बदलापुर के ढेमा गाँव की चकबंदी 15 दिन के भीतर एवं शाहगंज के ग्राम पंचायत सुरिस में 15 जनवरी तक कार्य पूर्ण कर लें। तहसील मछलीशहर के पौहा गाँव, केराकत के उदयचंदपुर, सदर के सलेड़ी गाँव, जमैंथा, बेलछा, कारो गाँव की समीक्षा की और डीडीसी सोमनाथ मिश्र को निर्देश दिया कि अच्छे लेखपाल एवं कानूनगों की टीम लगाकर इन गांवों के चकबन्दी का कार्य जनवरी 2023 तक किसी भी दशा में पूर्ण कराये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जमैथा गांव की चकबंदी कार्य पूर्ण कराने

के लिए सभी सम्बंधित अधिकारी बैठकर योजना बना लें। उन्होंने निर्देश दिया कि वादों का निस्तारण शत–प्रतिशत कराए। चकबन्दी अधिकारी प्रतिदिन सुनवाई करे, पुराने मुकदमे किसी भी दशा में लंबित न रहे। किसी भी गांव में मृतक के वरासत के प्रकरण लंबित न रहे। सुशासन सप्ताह के तहत गाँव मे ही न्यायालय लगाएं। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा आईजीआरएस की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि तरहटी गाँव में 03 अच्छे लेखपाल नियुक्त करें। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोर्ट के लंबित मुकदमों की प्रतिदिन सुनवाई करे और शत–प्रतिशत वादों का निस्तारण कराए।

गीतकार मनोज मुंतिशर के बयान पर भड़के कांग्रेसी : एफआईआर की मांग

अमेठी ब्यूरो : गीतकार मनोज मुंतशिर की राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की आंच उनके गृह जिले अमेठी तक पहुंच गई है। इससे नाराज युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर उनके खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग की। उधर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने भी मनोज के बयान

की निंदा की है। बॉलीवुड गीतकार मनोज मुंतशिर (शुक्ल) ने सोमवार को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की थी। यह बयान उन्होंने राहुल गांधी के उस बयान पर दिया जिसमें तवांग में भारत व चीन के सैनिकों की भिड़ंत में भारतीय सैनिकों की पिटाई होने की बात कही थी। उनका बयान सार्वजनिक हुआ तो कांग्रेस बिफर पड़ी। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम सिंह के नेतृत्व में कई कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इन लोगों ने एसडीएम गौरीगंज राकेश कुमार को ज्ञापन भी सौंपा। उधर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि मनोज को नहीं भूलना चाहिए कि वे अमेठी के हैं। अमेठी राहुल गांधी का परिवार है।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
एक अच्छे इंसान का संकेत है कि वो हमेंशा दूसरों की अच्छाई देखता है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

व्यापार सुगमता की दिशा में अहम कदम

केंद्र और राज्यों का ध्यान जीएसटी आधार को हर स्तर पर ज्यादा व्यापक बनाने पर है, ताकि कर संग्रहण में वृद्धि हो सके। जीएसटी संग्रह वर्तमान में हर महीने औसतन लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये है।

जीएसटी काउंसिल की 48वीं बैठक विगत 17 दिसंबर को केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई, जिसमें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों ने भी भाग लिया। वर्तमान में, 1.40 करोड़ करदाता संस्थाएं जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं। केंद्र और राज्यों का ध्यान जीएसटी आधार को हर स्तर पर ज्यादा व्यापक बनाने पर है, ताकि कर संग्रहण में वृद्धि हो सके। जीएसटी संग्रह वर्तमान में हर महीने औसतन लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये है। हालांकि समय की कमी के कारण जीएसटी काउंसिल 15 मुद्दों में से केवल आठ पर ही निर्णय ले सकी, लेकिन इस बार कोई नया कर नहीं लगाया गया है, जो स्वागत योग्य है। चूंकि यह बैठक एक फरवरी, 2023 को पेश किए जाने वाले बजट से पहले हुई, इसलिए इसमें किसी भी कर परिवर्तन पर सबकी नजर थी।

जीएसटी काउंसिल ने तीन प्रकार के अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के बारे में एक क्रांतिकारी निर्णय लिया है। अब किसी अधिकारी को उसके कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने या रोकनेय साक्ष्य के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ करनेय और जानकारी न देने पर मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। जीएसटी करदाताओं के लिए यह बड़ी राहत होगी। किसी भी व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा शुरू करने की वर्तमान सीमा न्यूनतम एक करोड़ रुपये की कर चोरी है, जिसे अब बढ़ाकर दो करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसलिए फर्जी चालान–प्रक्रिया के मामलों को छोड़कर दो करोड़ रुपये तक की कर राशि वाले मामले आपराधिक कार्रवाई के दायरे से बाहर हो जाएंगे। हालांकि, जहां तक माल या सेवाओं या दोनों की आपूर्ति के बिना चालान जारी करने जैसे अपराध का मामला है, उसमें आपराधिक मुकदमा चलाने की सीमा एक करोड़ रुपये जारी रहेगी। कर अधिकारियों द्वारा कई उपाय किए जाने के बावजूद नकली चालान के मामले अब भी जारी हैं।

कुछ अपराधों के संबंध में जीएसटी कानून के तहत प्रासंगिक समझौता राशि (जैसा कि आयुक्त द्वारा निर्धारित किया गया) का भुगतान करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कोई और कार्रवाई नहीं की जाएगी और आपराधिक कार्रवाई भी समाप्त हो जाएगी। वर्तमान में कानून समझौते के लिए कर राशि के 50 प्रतिशत से 150 प्रतिशत तक की सीमा निर्धारित करता है। आयुक्त इस सीमा के भीतर सटीक समझौता राशि का निर्धारण करते थे। इस समझौता राशि को घटाकर अब 25 से सौ फीसदी तक कर दिया गया है। जीएसटी परिषद की 47वीं बैठक के बाद पंजीकृत व्यक्ति को आवासीय आवास किराये पर दिए जाने पर छूट वापस ले ली गई थी। इसने एक भ्रम पैदा किया कि क्या एक व्यक्ति, जिसके पास अपने व्यक्तिगत नाम पर जीएसटी पंजीकरण है,

अगर किराये पर कोई आवासीय आवास लेता है, तो उसे भी करों का भुगतान करना होगा। अब यह स्पष्ट किया गया है कि ऐसे पंजीकृत व्यक्ति द्वारा जीएसटी देय नहीं होगा, यदि आवासीय संपत्ति उसे अपनी व्यक्तिगत क्षमता पर किराये पर दी जाती है, न कि उसके व्यवसाय के लिए।

समय पर अपीलों पर कार्यवाही और अपीलकर्ताओं के अनुपालन बोझ को कम करने के लिए परिषद ने प्रस्ताव दिया है कि मूल रूप से आदेश की प्रमाणित प्रति का मतलब और अपीलीय प्राधिकारी द्वारा पावती जारी करने के निर्देश की व्याख्या करने के लिए स्पष्ट स्पष्टीकरण प्रदान किया जाए। इस प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए अपील वापस लेने के उद्देश्य से फॉर्म जीएसटी एपीएल–01/03 डब्ल्यू प्रदान करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में इसमें काफी समय लगता है, लेकिन यह प्रस्ताव प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने में मदद करेगा। बीमा पॉलिसी खरीदारों के लिए भी अच्छी खबर है। यह स्पष्ट करने के लिए एक परिपत्र जारी किया जाएगा कि बीमा कंपनियों द्वारा दिया जाने वाला 'नो क्लेम बोनस' बीमा सेवाओं के मूल्यांकन के लिए स्वीकार्य कटौती है। इसलिए, 'नो क्लेम बोनस' को कम करने के बाद जीएसटी केवल शुद्ध प्रीमियम पर लागू होगा।

रुपे डेबिट कार्ड के प्रचार की योजना और कम मूल्य के भीम यूपीआई लेनदेन के तहत केंद्र सरकार द्वारा बैंकों को दिया गया प्रोत्साहन सब्सिडी जीएसटी के तहत कर योग्य नहीं है। इससे उन बैंकों को राहत मिलेगी, जिन्हें इस तरह की सब्सिडी पर जीएसटी की संभावित मांगों का सामना करना पड़ा था। ऑटो उद्योग में लग्जरी कारों पर 28 फीसदी जीएसटी और 22 फीसदी उपकर लगता है। एसयूवी इसके दायरे में आते हैं, लेकिन विभिन्न राज्यों में उसकी परिभाषा स्पष्ट नहीं थी, जिसे स्पष्ट करने के लिए चार मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इससे ऑटो उद्योग, डीलरों और खरीदारों को सुविधा होगी।

जीएसटी काउंसिल ने दालों की भूसी पर कर की दरों को पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर करने का भी निर्णय लिया। इथेनॉल पर जीएसटी 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। इसे चीनी उत्पादक कंपनियों के साथ–साथ तेल विपणन कंपनियों के लिए भी काफी सकारात्मक दृष्टि से देखा जा रहा है। यह भारत के तेल आयात को कम करके बहुमूल्य विदेशी मुद्रा को भी बचाएगा, जो अभी देश के लिए सबसे बड़ा आयात बोझ है। आधिकारिक बयान के अनुसार, जीएसटी दरों में ये बदलाव 'व्यापार की सुविधा और जीएसटी अनुपालन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से किए गए हैं।

जिन तीन प्रमुख मदों पर विचार नहीं किया जा सका, उनमें पान मसाला और गुटखा फर्मों के लिए कराधान को सुव्यवस्थित करना, अपीलीय न्यायाधिकरणों की स्थापना पर मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) की रिपोर्ट और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा की अध्यक्षता में एक अन्य जीओएम की रिपोर्ट तथा ऑनलाइन गेमिंग, कैसिनो और घुड़दौड़ पर जीएसटी लेवी शामिल है। इन पर बाद में विचार किया जाएगा। कुल मिलाकर, ये उपाय अनुपालन को सरल बनाएंगे, अनुपालन बोझ को कम करेंगे और दो करोड़ रुपये से कम के अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के चलते मुकदमेबाजी और जबरन कार्रवाई को घटाएंगे। जीएसटी काउंसिल की यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट की पृष्ठभूमि में हुई, जिसमें कोई नया कर नहीं लगाया गया और न ही करों या उपकरों में वृद्धि की गई, जो एक स्वागत योग्य कदम है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

परिजनों से बिछड़े बच्चे एवं यात्रियों के खोये सामान को पुलिस नें किया सही सलामत यात्रियों के सुपुर्द

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। यात्री सेवा में पूर्ण निष्ठा के साथ सदैव तत्पर रेलवे सुरक्षा बल उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के तहत गत दिवसो में मंडल के विभिन्न स्टेशनो पर आपरेशन नन्हे फरिश्ते एवं आपरेशन अमानत का संचालन करते हुए इसके तहत निम्न गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित किया गया जिनका ब्यौरा निम्नवत है :– दिनांक 14.12.22 को रेलवे सुरक्षा बल जौनपुर पोस्ट को 139 हेल्पलाइन नंबर द्वारा सूचना मिली कि गाड़ी सं. 15231 में कोच संख्या एस–4 में एक यात्री का बैग छूट गया है जिसे उतार लिया जाए यउक्त सूचना के आधार पर इस बैग को गाड़ी से उतार लिया गया एवं दिनांक 19.12.22 को एक व्यक्ति पोस्ट पर आया जिसने बताया कि उल्लिखित गाडी में उसका रिजर्वेशन बलिया से गाजीपुर तक था एवं गाजीपुर स्टेशन पर उतरने के दौरान उसका बैग गाड़ी में छूट गया था। आन ड्यूटी रेलवे सुरक्षा बल ने पूछताछ करने तथा संतुष्ट होने के उपरांत आवश्यक कार्यवाही को पूरा करके उक्त बैग यात्री को सकुशल लौटाया गया। एक अन्य गतिविधि के तहत दिनांक 15.12.22 को गाड़ी संख्या 14102 से कानपुर से उन्नाव यात्रा कर रहे एक यात्री का बैग ट्रेन में छूट गया था जिन्होंने इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट उन्नाव में दी थी विभाग द्वारा उक्त बैग को प्राप्त कर अपनी निगरानी में रखा गया तथा दिनांक 19.12.22 को एक यात्री ने पोस्ट पर आ कर उक्त बैग का हवाला देते हुए उसे लेने की बात कही। ऑन ड्यूटी स्टाफ द्वारा उक्त व्यक्ति से बैग सम्बन्धी समस्त जांच करने के उपरान्त इस बैग को सही

सलामत उस यात्री के हवाले कर दिया गया। एक अन्य घटनाक्रम में इसी गतिविधि के तहत दिनांक 18.12.22 को रेल मदद के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन अयोध्या कैंट के प्लेटफार्म नंबर 02 पर गाड़ी संख्या 19168 के जनरल कोच से एक बच्चा उम्र 13 वर्ष को पाया गया एवं जिसे आर०पी० एफ० पोस्ट अयोध्या कैंट लाकर अपनी निगरानी में रखा गया तदोपरांत उसके अभिभावकों को सूचित किया गया एवं दिनांक 19.12.22 को उस बच्चे से सम्बंधित कागजातों को लेकर उसके परिजन पोस्ट पर आये एवं आवश्यक कार्यवाही के उपरांत आश्वस्त होने पर उक्त बालक को सकुशल उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया। जिसके लिए यात्री ने रेलवे के प्रति कृतज्ञ आभार व्यक्त किया। इन्ही गतिविधियों के अंतर्गत दिनांक 18.12.22 को रेलवे सुरक्षा बल को हेल्पलाइन नंबर 139 से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 12553 वैशाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक यात्री का बैग मल्हौर स्टेशन के आस–पास कही गिर गया है। सूचना के आधार पर तत्काल कार्यवाही की गई एवं एक पिट्ठू बैग झाड़ियो में मिला जिसकी सूचना कमर्शियल कण्ट्रोल के माध्यम से यात्री को दी गई एवं यात्री के दिनांक 19.12.22 को उपस्थित होने पर उक्त बैग पूरी पूछताछ करने के उपरांत आवश्यक कार्यवाही के बाद यात्री के सुपुर्द किया गया।

निकाय चुनाव में शांतिपूर्ण मतदान करवाने को लेकर पुलिस सतर्क –एसपी

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : बुधवार को पुलिस की तरफ से शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने कहा कि जवान बूथ पर अति सुझबूझ के साथ कार्य करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से निष्पक्ष मतदान संपन्न करवाए। पुलिस कर्मचारी पीठासीन अधिकारी द्वारा बुलाए जाने उपरांत ही बूथ के अंदर जाएं तथा बेवजह अंदर प्रवेश नहीं करें। बूथ के बाहर शांति कायम रखते हुए मतदान कर चुके व्यक्तियों को परिसर से बाहर चले जाने को कहें। रात के समय कर्मचारियों के ठहरने व खाने का समुचित प्रबंधन किया गया है, तथा कोई भी कर्मचारी रात के समय बूथ नहीं छोड़ेगा। इस दौरान उनकी समय–समय पर अधिकारियों के द्वारा चेकिग की जाएगी। उन्होंने सभी प्रर्यवेक्षण अधिकारी व थाना प्रबंधक को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने एरिया में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई कसर न छोड़े। उन्होंने असमाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार से चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दंगारोधी यंत्रों से लैस रहे पेट्रोलिग पार्टी पुलिस की पेट्रोलिग पार्टियों को एसपी ने आदेश दिया कि ड्यूटी के दौरान वे समुचित दंगारोधी यंत्रों के साथ सुसज्जित रहें। बता दें कि पेट्रोलिग पार्टियों को इस प्रकार व्यवस्थित किया गया है, कि कहीं से किसी मामूली घटना

की सूचना मिलते ही चंद मिनट मध्य मौका पर पुलिस पहुंच जाएगी। पेट्रोलिग पार्टियों पोलिग स्टेशन गेट के अंदर तथा बाहर अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने दें। उन्होंने आम जनता को सचेत किया गया है कि वे अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से सचेत रहें और इसी प्रकार थाना प्रबंधक भी किसी पोलिग स्टेशन अथवा बूथ बारे किसी भ्रमित करने वाली सूचना बारे तुंरत क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों से मोबाइल फोन की मार्फत संपर्क स्थापित करें। पैदल गश्त के दौरान कोटवाल बेनी माधव त्रिपाठी, अतिरिक्त कोतवाल पीपी सिंह, उप निरीक्षक मोहम्मद अजीम ,रामराज, अनिल सिंह ,कस्बा इंचार्ज रजनी त्रिपाठी ,विनोद त्रिपाठी राजेश कुमार विकास कुमार, राज कपूर ,पवन सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

मॉलिक्यूलर बायोलॉजी पर एक हैंड्स ऑन कार्यशाला आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री जय नारायण पी जी कॉलेज, लखनऊ के वनस्पति विज्ञान विभाग में ''मॉलिक्यूलर बायोलॉजी पर एक हैंड्स ऑन कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एक्सपेरिओम बायोटेक लिमिटेड के सहयोग से आयोजित की गयी। कार्यशाला में एम् एस सी (वनस्पति विज्ञान) के विद्यार्थियों ने नवीनतम मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तकनीकों पर स्वयं कार्य कर के डी एन ए आइसोलेशन, आर एन ए आइसोलेशन और जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस जैसी तकनीकों को गहरायी से समझा। कार्यशाला की शुरुआत 20 दिसंबर को प्रातः 10 बजे हुई जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ अटल मिश्रा ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जब तक विद्यार्थी स्वयं इन उन्नत तकनीकों पर कार्य नहीं करेंगे, तब तक उन के अंदर जिज्ञासा नहीं जागेगी। प्राचार्या प्रो मीता साह ने विभाग को इस आयोजन पर बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य के युवा वैज्ञानिकों के लिए रास्ते प्रशस्त करेंगे। कार्यशाला का समापन

सत्र 21 दिसंबर को अपराह्न 3 बजे संपन्न हुआ जिसमें विज्ञान संकाय प्रभारी डॉ हरीश त्रिपाठी ने अध्यक्षता की। सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए। आयोजन में डॉ अटल मिश्रा, प्रो राकेश पांडेय, प्रो विवेक सिंह, प्रो विक्रम सिंह, डॉ रावेन्द्र चौहान, डॉ रजा वारिस, डॉ नीता चक्रवर्ती, डॉ जया, डॉ पूजा दीक्षित, डॉ तूलिका जोहरी, डॉ मोनिका यादव, डॉ रंजना राव आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोण्डा का किया निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय गोण्डा। तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोंडा का दौरा किया 21 दिसम्बर 2022 सायं 4 बजे डा. उज्जवल कुमार जिलाधिकारी गोंडा ने तुलसी जन्मभूमि राजापुर सूकरखेत गोंडा का निरीक्षण किया । सर्व प्रथम उन्होंने मंदिर का दर्शन वंदन और अर्चन किया। जिलाधिकारी जी ने तुलसी भवन, तुलसी ओपन थियेटर का मरम्मत और तुलसी मानस सरोवर के सौंदर्यीकरण पर बल दिया। तुलसी जन्मभूमि पर अनवरत चल रहे अखंड रामचरितमानस का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। साथ में एडिसनल एसपी, एस डी एम करनैलगंज सी ओ, थाना परसपुर आदि महानुभावों ने सश्रद्ध नमन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि तुलसी जन्मभूमि का समुचित विकास किया जाएगा। डॉ. स्वामी भगवदाचार्य अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उक्त जानकारी दी।

स्वच्छ भारत मिशन नगरीय 2.0 के अंतर्गत स्वच्छ टेक्नोलॉजी चैलेंज प्रभावी ढंग से लागू –राम रतन अंबेश

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : नगर पालिका परिषद, शाहाबाद के अधिशाषी अधिकारी राम रतन अंबेश ने स्वच्छ टेक्नोलॉजी चौलेंज को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए नेहरू म्युनिसिपल कन्या इण्टर कालेज, शाहाबाद में जागरूकता शिविर का आयोजन कर कूड़ा कचरा की समस्या के निपटान पर प्रकाश डाला। कहा कि नगर में कचरा प्रबंधन एक चुनौती है। जगह–जगह कूड़े के ढेर हटाए जा रहे हैं। सुखा एवं गीला कूड़ा कचरा पर्यावरण के लिए कितनी बड़ी चुनौती है और इससे निपटने के लिए पालिका को क्या करना चाहिए? जवाब में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने कहा कि कूड़ा फेंकने की जगह औपचारिक या अनौपचारिक हो सकती है। अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में स्थानीय प्रशासन के पास समावेशी दृष्टिकोण का अभाव है।जो निकाय द्वारा एक स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बताया कि बाहर से आने वाले यात्री अपनी यात्रा के दौरान बस स्टैण्ड और स्टेशन के आसपास काफी कूड़ा फैलाते हैं। इसलिए पालिका प्रशासन को मुख्य स्थानों पर जागरूकता फैलाने के साथ ही कूड़ा फेंकने वालों पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए। इस पहल में उचित प्रबंधन और वैज्ञानिक निपटान के लिए हॉटस्पॉट से संचित कचरे का संग्रह भी शामिल होना चाहिए। अधिशासी अधिकारी ने प्रश्न किया कि आपके अनुसार वर्तमान समय में कचरा निस्तारण की आधुनिक तकनीकी की उपलब्धता होने के बावजूद ऐसी क्या कमी है कि कचरे का प्रबंधन ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है। जवाब में छात्राओं ने कहा कि पालिका प्रशासन को कचरा प्रबंधन को लेकर मूल दृष्टिकोण 'सेवा' उन्मुख अपनाना चाहिए।'प्रबंधन' शब्द का अर्थ है विभिन्न अपशिष्ट अंशों का प्रसंस्करण, उपचार, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण। स्रोत स्थल पर जो कचरा इकट्ठा किया जाता है, वह पर्याप्त पृथक्करण के अभाव में, एक 'मिश्रित' कचरा होता है। आमतौर पर इस तरह के अंश धूल, नाली की गाद आदि होते हैं। इसलिए अपशिष्ट प्रबंधन ऐसी कोई चुनौती नहीं है, जिसे प्रौद्योगिकी के होने या न होने से जोड़ा जा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 की राज्य मिशन निदेशक नेहा शर्मा स्थानीय निकायों को यह सुनिश्चित करने का आदेश देती हैं कि वे 2026 के अंत तक कूड़े के लैंडफिल पर पहुंचने से पहले उसे 80 प्रतिशत तक प्रसंस्करित करें। छात्राओं से ई ओ ने प्रश्न किया कि कूड़े के प्रबंधन में किस तरह की समस्याएं हैं? जवाब में छात्राओं और शिक्षिकाओं ने बताया कि पालिका जैसी संस्थाओं के पास व्यवस्थित अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था नहीं है। साथ ही, केंद्रीकृत अपशिष्ट प्रसंस्करण और उपचार सुविधाओं के लिए स्थलाकृतिक कारणों से घर–घर जाकर कूड़ा जमा करना चुनौतीपूर्ण है।हमारे नगर के लिए सबसे अच्छा तरीका 'विकेंद्रीकृत

प्रणालियों' को अपनाना और लागू करना है, ताकि उत्पन्न जैव–निम्नीकरणीय कचरे को सूक्ष्म खाद सुविधाओं में उपचारित किया जा सके और गैर जैव–निम्नीकरणीय कचरे को द्वितीय पृथक्करण के लिए सप्ताह में दो बार इकट्ठा किया जा सके। राज्य या जिला प्रशासन कचरे की मात्रा को देखते हुए नगर स्तर पर एक केंद्र बना सकते हैं, ताकि बड़ी मात्रा में प्रसंस्करण के लिए भेजे जाने से पहले इसमें बड़ी तादाद में कूड़ा जमा हो सके। श्री अंबेश ने प्रश्न किया कि प्रतिदिन बढ़ती जनसंख्या के साथ कचरे की मात्रा भी बढ़ रही है। इसे नियंत्रित करने के लिए स्थानीय व प्रशासनिक स्तर पर क्या–क्या कार्य किए जा सकते हैं? जवाब में कहा गया कि नगर में हर रोज बड़ी मात्रा में कचरा पैदा हो रहा है और इसकी रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान समय में प्रति व्यक्ति हिसाब से हर दिन 450 ग्राम कूड़ा पैदा होता है, जो कि अगले 15–20 साल में बढ़कर हर दिन 800 ग्राम प्रति व्यक्ति होने का अनुमान है। इसके लिए सिर्फ नीतिगत स्तर पर सुधार और स्थानीय प्रशासन के रवैये में बदलाव की जरूरत है। अनौपचारिक कचरा बीनने वालों और निजी कंपनियों के लिए समान अवसर मुहैया कराने के साथ कचरा प्रबंधन को 'सेवा' से 'व्यापार मॉडल' में बदलने के लिए टिकाऊ अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। विशेष रूप से कस्बे के लिए हमें जल्द से जल्द विकेंद्रीकृत प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए व्यापक नीति की भी आवश्यकता है। अधिशासी अधिकारी ने सवाल किया कि नगरीय क्षेत्र में कचरा निपटान की समस्या के मुख्य कारण एवं कचरा प्रबंधन के उपाय क्या हो सकते हैं? जवाब मिला कि नगर क्षेत्र में कचरा निपटान से जुड़ी समस्यायों में बिना किसी उपचार के कचरे को यहां–वहां अंधाधुंध फेंकना शामिल है। जो अपरिवर्तनीय स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चुनौतियों का कारण बन रहा है। नतीजतन, नगर में उत्पन्न कचरे का एक महत्वपूर्ण अंश अनुपयोगी हो जाता है और कचरा स्थलों पर समाप्त हो जाता है। नगरपालिका के ठोस कचरे के अपघटन को मीथेन का तीसरा प्रमुख मानवजनित स्रोत माना जाता है, और यह कुल मानवजनित मीथेन उत्सर्जन में लगभग 11 प्रतिशत योगदान देता है। कचरे की समस्या को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और ग्रीनहाउस उत्सर्जन को कम करने के उपायों में स्रोत पृथक्करण एक महत्वपूर्ण कारक है जिसे सभी हितधारकों और सुशासन की भागीदारी से प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर कर निरीक्षक अनस खां,सफाई निरीक्षक दीपक कुमार,लेखाकार असद खां,प्रधानाचार्या नुरुल हुमा, विषय विशेषज्ञ अम्बरीष कुमार सक्सेना,शिक्षिका भैरवी अग्निहोत्री,शशि शुक्ला,नायब जहां, पुष्पांजली श्रीवास्तव,वंदना दीक्षित,उषा देवी,वर्तिका शुक्ला,वैशाली यादव,आयशा परवीन एवं लिपिक जिया खान सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं।

श्री अरविंद की १५० वीं जयंती के उपलक्ष्य में गोष्ठी सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान एवं आधुनिक इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान मे श्री अरविंद की १५० वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य वक्ता प्रो शीला मिश्रा, सांख्यिकी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय रहीं। प्रो मिश्रा ने श्री अरविंद घोष के महर्षि अरविंद बनने के पूरे संघर्ष को रेखांकित करते हुए उनके विचारों एवम आज के दौर के वैश्विक परिदृश्य में उनकी प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि श्री अरविंद, अमृत पुत्र थे। विशिष्ट अतिथि श्री अरविंद न्यास के ट्रस्टी, विनोद मिश्र ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें प्रश्नोत्तरी के लिए उत्साहित किया। जिसके परिणाम स्वरूप बच्चों ने श्री अरविंद के जीवन से जुड़े अनेक पहलुओं पर प्रश्न किए। मंच संचालक, प्रो सिद्धार्थ सिंह ने श्री अरविंद के एकात्म योग और अतिमानस से

साक्षात्कार कराते हुए उनके साहित्यिक अवदान की भी चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन डा राजेश तिवारी ने किया। अथितियों का स्वागत राजनीति विज्ञान की विभागाध्यक्ष डा शुचि मिश्रा ने पौधों के साथ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कला संकाय के प्रभारी प्रोफेसर एस सी हजेला ने की। कार्यक्रम के सह आयोजन कर्ता प्रो बृजेश मिश्र, डा आरुणि और डा भदौरिया थे। इस दौरान छात्र छात्राओं में जबरदस्त उत्साह रहा साथ ही वो आश्चर्य चकित थे कि कहीं भी कोर्स में श्री अरविंद क्यूं नहीं पढ़ाए जाते।

अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध औचक जांच का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। उत्तर रेलवे,लखनऊ मंडल द्वारा अवैध एवं अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम एवं इनपर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न प्रकार की जांच प्रक्रियाओं को अमल में लाया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 19.12.22 को मंडल के वाणिज्य विभाग की कैटरिंग टीम द्वारा अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध एक औचक जांच का आयोजन किया गया। इस जांच के दौरान टीम द्वारा गाड़ी संख्या 13308 (फिरोजपुर कैंट.–धनबाद, गंगा सतलुज एक्सप्रेस) की सघन जांच की गयी एवं इस जांच के दौरान लखनऊ से मल्हौर के मध्य पांच वेंडरों को गाड़ी पर अनाधिकृत रूप से चना, मूंगफली, समोसा,पॉपकॉर्न इत्यादि खानेपीने का सामान को बेचते हुए पकड़ा गया पूछताछ करने पर इन पाँचों व्यक्तियों के पास से खाने पीने का सामान गाड़ियों एवं प्लेटफार्म पर बेचने सम्बन्धी किसी

भी प्रकार का कोई वैध प्राधिकार पत्र नहीं पाया गया। अतः उक्त पाँचों वेंडरों को, इनके पास से प्राप्त खाने पीने के सामान सहित पकड़कर इनके विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु आर.पी.एफ. बाराबंकी के सुपुर्द कर दिया गया।

इंजीनियरिंग संकाय में एलुमिनी मीट का हुआ आयोजन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता एवं एलुमनाई मीट का आयोजन बुधवार को किया गया। एलुमनाई मीट में ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित पुरातन छात्रों ने अपने विचारों को साझा किया। ऑनलाइन माध्यम से जुड़े पुरातन छात्र हर्ष श्रीवास्तव ने साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया। आशीष कुमार सिंह ने वेब डेवलपमेंट के बारे में बताया। इसी क्रम में संदीप उपाध्याय ने बताया कि डाटा साइंस एवं मशीन लर्निंग के क्षेत्र में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में उपस्थित पुरातन छात्र कृष्णकांत द्विवेदी ने अपने अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किया एवं छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए, पुरातन छात्र जितेंद्र यादव ने तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ कम्युनिकेशन स्किल को भी बेहतर बनाने के तरीकों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अवनीश दुबे, यत्नदीप दुबे एवं गरिमा पांडे ने किया। पोस्टर प्रतियोगिता में 100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता की थीम द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए वसुधैव कुटुंबकम–वन अर्थ वन फैमिली, तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी इन द फील्ड ऑफ कंप्यूटर साइंस एवं चतुर्थ वर्ष के छात्रों

के लिए एनवायरमेंटल डिग्रेडेशन बाई मॉडर्न साइंटिफिक टेक्नोलॉजी रहा। कार्यक्रम में पूर्व में आयोजित हुए डीएसए प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया जिसमें सीएसई विभाग से प्रथम पुरस्कार ज्ञानेंद्र नाथ पाठक, द्वितीय पुरस्कार प्रीति चौहान एवं तृतीय पुरस्कार अश्विनी मौर्य को प्रदान किया गया तथा आईटी विभाग से प्रथम पुरस्कार तन्मय सिंह, द्वितीय पुरस्कार पंकज सिंह एवं तृतीय पुरस्कार क्षितिज अवस्थी को दिया गया। विभागाध्यक्ष डॉक्टर संजीव गंगवार के मार्गदर्शन और कार्यक्रम संयोजक डॉ दीप्ति पांडे एवं जीडीएससी–वीबीएसपीयू स्टूडेंट एडवाइजर डॉ दिलीप यादव के कुशल निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक कृष्ण कुमार यादव, अशोक यादव, ज्ञानेंद्र पाल, संतोष कुमार यादव, दिव्येंदु मिश्रा, रविकांत यादव, प्रवीण पांडे, सुनील यादव, पूर्णेंद्र श्रीवास्तव, रितेश श्रीवास्तव, मनोज यादव आदि उपस्थित रहे।

गन्ना किसानों से अपील है कि अपने पंजीकृत मोबाइल नम्बर का इन बॉक्स खाली रखें तथा अपने मोबाइल को चालू रखें

जौनपुर सू.वि. : उप गन्ना आयुक्त/जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि वर्तमान पेराई सत्र 2022–23 में कृषकों को गन्ना पर्चियां केवल एस.एम.एस. के रूप में मोबाइल फोन पर प्रेषित की जा रही हैं किन्तु कुछ कृषकों को प्रेषित एस.एम.एस फेल हो रहे हैं इसलिए यह आवश्यक है कि ई. आर.पी. पर कृषकों का सही मोबाइल नम्बर पंजीकृत हो। इस हेतु उन्होंने गन्ना कृषकों से अपील की है कि वे ई.आर.पी. पर पंजीकृत अपने मोबाइल नम्बर की जांच कर लें, यदि नम्बर गलत है तो अपने गन्ना पर्यवेक्षक के माध्यम से अथवा ई–गन्ना ऐप पर स्वयं अपना सही मोबाइल नम्बर अपडेट कर लें। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए जिला गन्ना अधिकारी, जौनपुर ने बताया कि एस.एम.एस. इनबॉक्स भरा होने, मोबाइल स्विच ऑफ होने, डी.एन.डी. ऐक्टिवेट होने या सही फोन नम्बर दर्ज न होने की स्थिति में एस.एम.एस. पर्ची का संदेश 24 घंटे के पश्चात स्वतः निरस्त हो जाता है जिसके कारण कुछ गन्ना किसानों को अपनी पर्ची की जानकारी नहीं प्राप्त हो रही है तथा उन्हें समय से गन्ना आपूर्ति करने में कठिनाई हो रही है। इस लिए सभी किसान भाई समय से अपनी पर्ची प्राप्त करने हेतु अपना मोबाइल इनबॉक्स खाली रखें, मोबाइल को चार्ज करके चालू दशा में रखें तथा डी. एन.डी. को ऐक्टिवेट न करें ताकि सर्वर द्वारा प्रेषित पर्ची उनके मोबाइल पर उन्हें रियल टाइम में प्राप्त हो जाय। पर्ची निर्गमन की वर्तमान व्यवस्था पूर्णतया पारदर्शी है। किसान के मोबाइल नम्बर पर एस.एम.एस. पर्ची भेजे जाने से किसान को तत्काल पर्ची प्राप्त होती है और समय से पर्ची प्राप्त होने के कारण ताजा गन्ना मिल को आपूर्ति होता है जिससे किसान के गन्ने की सूख से होने वाली हानि से भी बचत होती है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान : खाद्य उद्योग मेले में लोगों ने सीखा स्वरोजगार के गुण

जौनपुर सू.वि. : आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत समाज के लोगों को खाद्य प्रसंस्करण से सम्बंधित उद्यमो को स्थापित करने एवं पहले से संचालित उद्यमो के उन्नयन के लिए जिला उद्यान अधिकारी उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जौनपुर एवं युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली सामाजिक संस्था रोट्रैक्ट क्लब जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि भवन परिसर स्थित लोहिया पर्यावरणीय पार्क में खाद्य उद्योग मेला का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के दूर दराज क्षेत्र से किसान, प्रतिष्ठित उद्यमी, युवा सम्मिलित हुए। सचिव पीएमएफएमई जौनपुर श्रीमती ममता सिंह यादव द्वारा ने लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि एक जिला एक उत्पाद के तहत जौनपुर को दुग्ध उद्योग के लिए चुना गया है, दुग्ध उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को वरीयता दी जाएगी, इस योजना का लाभ लेकर किसान भी अपने फसल का प्रसंस्करण करके नये–नये उत्पाद का सृजन कर सकते हैं और अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उपायुक्त राष्ट्रीय आजीविका मिशन ओ. पी. यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में बढ़ती बेरोजगारी को दूर करने एवं स्वयं का उद्यम स्थापित करने के लिए पीएमएफएमई योजना किसी वरदान से कम नही है। तिलकधारी महाविद्यालय के कृषि प्रसार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नलिन मिश्रा ने युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित करने, उपभोक्ता आधारित तरह तरह के उत्पादो को बनाने की विधियों के बारे में विस्तार से बताया। राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र वाराणसी के प्रधानाचार्य बी. गौतम ने उद्यमियों को उद्योग लगाने, उद्योग को सफलतापूर्वक संचालित करने, खाद्य उद्योगो में नवाचार हेतु विशेष गुर बताए। यूपीएसआरएलएम जिला मिशन प्रबंधक शोभी गौर ने महिला उद्यमियों को आगे आने एवं स्वयं सहायता समूहो द्वारा उद्यम जागरुकता अभियान के लिए लोगो को प्रेरित किया। इस अवसर पर आगंतुको तथा अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए रोट्रैक्ट क्लब अध्यक्ष कुँवर शेखर गुप्ता ने योजना की समुचित जानकारी दी एवं नवीन उद्योग लगाने तथा सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है इस योजना का सभी

को लाभ लेने हेतु प्रेरित किया और कहा कि खाद्यान से सम्बंधित व्यवसाय कभी अथवा किसी भी परिस्थिति में कमजोर नही पड़ती हैं इसलिए इस क्षेत्र में व्यवसाय का शुरू करना सफलता को सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन रोट्रैक्ट क्लब जौनपुर के सचिव कुलदीप योगी द्वारा किया गया। इस अवसर पर रोट्रैक्ट क्लब अध्यक्ष कुँवर शेखर गुप्ता, सचिव कुलदीप योगी, कोषाध्यक्ष अनन्या गुप्ता, शशिकांत, स्वेच्छा रानी, उद्यान विभाग से उद्यान निरीक्षक रविन्द्र सिंह, अरविंद कुमार सिंह, भोला प्रजापति, वंशराज प्रजापति, सुभाष सिंह, अभिलाष सिंह, अंशुल चतुर्वेदी, पंकज सिंह, पीयूष सिंह, शहर के प्रतिष्ठित उद्यमी रामचन्द्र दूबे, चंचल शर्मा, अमरनाथ जायसवाल, सचिन साहू , मंजू पाल, आकांक्षा राय समेत दर्जनो उद्यमी एवं तिलकधारी महाविद्यालय के कृषि संकाय के विद्यार्थी उपस्थित रहे । जिला उद्यान अधिकारी द्वारा यह सूचित किया गया कि रोट्रैक्ट क्लब जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने तथा उन्हे जागरुक करने के लिए ऐसे कार्यशाला का आयोजन प्रत्येक बृहस्पतिवार को लोहिया पर्यावरणीय पार्क में किया जाएगा, जिसमें दुग्ध उद्योग से साथ – साथ बेकरी से सम्बन्धित, दलहन एवं तिलहन उद्योग, पशु एवं मुर्गी चारा उद्योग, फल आधारित उत्पाद उद्योग, हर्बल उत्पाद उद्योग, मशरूम उत्पादन, मसाला आधारित उद्योग, आचार मुरब्बा सिरका उद्योग सहित बीस अन्य उद्योगो की स्थापना एवं उन्नयन के लिए सरकार द्वारा विशेष सब्सिडी प्रदान की जा रही है, उक्त योजना के बारे में विस्तार से जानने के लिए इच्छुक लाभार्थी जिला उद्यान विभाग के आफिस अथवा रोट्रैक्ट क्लब के ऑफिस में सम्पर्क कर सकते हैं।

यातायात पुलिस जौनपुर द्वारा जारी कोहरे में दुर्घटनाओं से बचने के उपाय

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : शीत ऋतु में सड़क यात्रा करने में कोहरा एक बड़ी समस्या साबित हो रहा है। कोहरे में दृश्यता कुछ ही मीटर रह जाती है और प्रायः सड़क दुर्घटनायें हो जाती हैं। कुछ सावधानियाँ बरतकर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। यथा संभव कोहरे में यात्रा न करें। समय अवश्य बहुमूल्य है, परन्तु जीवन अनमोल है। कोहरे में चलने की विवशता होने पर अपने वाहन को अत्यन्त धीमी गति से चलायें और सतर्क रहें। अपनी खिड़की के शीशे थोड़ा खुला रखें तापमान को ए०सी० और हीटर के बीच सैटिंग पर रखें। उसकी हवा विंडस्क्रीन की ओर कर दें, इससे विंडस्क्रीन पर भाप नहीं जमेगी। फ्रन्ट डिमिस्टर और रियर डिफॉगर का प्रयोग करें। अपने वाहन के फॉग लैम्प और हेडलैम्प को ऑन कर दें और हेडलाइट को लो बीम पर रखें। अपने वाहन की हैजर्ड लाईट्स को ऑन कर दें और पार्किंग लाईट्स भी जला लें। स्टीरियो या एफ.एम. को बन्द कर दें। यथासमय धीमी गति से एक दूसरे के पीछे चलें तथा अपने वाहन के आगे एवं पीछे चल रहे वाहनों से एक निश्चित दूरी बनाये रखें। आवश्यकता पड़ने पर ब्रेक धीरे लगायें। एक ही लेन में चलें और ओवरटेक न करें। सड़क के बीच में खड़े खराब वाहनों व सड़क किनारे पार्क किये गये वाहनों से सावधान रहें। तथा अपनी खराब हो गई गाड़ी को रोड से हटाकर रोड से दूर सुरक्षित स्थान पर खडी करें। रोड पर या रोड के किनारे बिल्कुल भी वाहन को खड़ा ना करें। कोहरे के कारण अक्सर दृष्टिभ्रम हो जाता है। टू–लेन की सड़क पर वाहन की गति कम रखते हुये सड़क के बायें किनारे के सहारे चलें। सड़क के बीच में कदापि न चले। शहरी क्षेत्र जहाँ डिवाईडर हों, वहाँ डिवाईडर के सहारे चलें। एक्सप्रेस–वे पर अपनी निर्धारित लेन में ही चलें। यदि दिन में कोहरा हो तो दिन में भी हेड लाइट जलाकर ही चलें। 11– अपनी सुरक्षा के लिए अपने वाहन के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लक्टिव टेप अवश्य लगवायें। कृषक बन्धु भी अपनी सुरक्षा के लिए ट्रैक्टर–ट्राली के पीछे लाल रेट्रोरिफ्लेक्टिव टेप लगवायें। मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत व्यवसायिक वाहनों में आगे सफेद व पीछे की ओर लाल रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगा होना अनिवार्य है।

विधायक ने लगाई चौपाल : सुनी जनसमस्याएं

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : जनसमस्याएं सुनने के लिए विधायक ने चौपाल लगाई तो समस्याओं का निस्तारण कराने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सर्वाधिक शिकायतें राशन कार्ड और पैमाइश को लेकर रहीं।इसौली विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने अपनी ओर से नई पहल की

है। बल्दीराय ब्लाक के नन्दौली में चौपाल लगाकर क्षेत्र के लोगों की जनसमस्याएं को सुना। चौपाल में क्षेत्र से सैकड़ों लोग अपनी शिकायतें और समस्याएं लेकर पहुंचे। लोगों ने राशन न मिलने,राशन के लिए पात्रता सूची में नाम न होने या गलत नाम दर्ज किए जाने,जमीन की पैमाइश न हो पाने,विधवा,वृद्धावस्था, दिव्यांग पेंशन में समस्या,अवैध कब्जों,नन्दोली,पारा,इसौली, बिही,गौरा बारामऊ गांव बनी सड़क जर्जर होने जाने की शिकायतें लिखित और मौखिक रूप से दर्ज कराईं। विधायक ने समस्याओं को सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर प्रकरण समझाया और उसका निस्तारण कराने की बात कही।विधायक ने नटौली में आयोजित सात दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन फीता काटकर किया।विधायक ने काली माता मंदिर समरथपुर,दाता करीम शाह ,अरवल,गोविन्दपुर व अतानगर में विधायक निधि से लगी हाई मास्क लाइट का उद्घाटन भी किया।इस मौके पर बीडीसी तनवीर आलम,प्रधान जुनैद,प्रधान मोहम्मद सम्मू,अली रजा मऊ,ब्लाक अध्यक्ष बृजेश यादव,बीडीसी अब्दुल्ला खान,सज्जाद रहमान,लुकमान,बबलू,प्रधान गुलाम हैदर बब्बू,बीडीसी मोनू,प्रधान मोहम्मद असलम,उमाकांत यादव,अजय यादव,ईशा खान,जाहिर आलम,एहसान,लाल मोहम्मद, प्रधान श्रीपाल पासी,रवि शंकर यादव,राजेश यादव,धनपतगंज ब्लाक अध्यक्ष राम नाथ यादव,पिंटू,सतीश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

सपा विधायक ने अपनाया प्रधानमंत्री का फार्मूला

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : इसौली से सपा विधायक ने क्षेत्र के मंदिर–मस्जिद के पास से अंधेरा दूर करने का बीड़ा उठा लिया है। उन्होंने पीएम मोदी के सबका साथ–सबका विकास की तर्ज पर सभी धार्मिक स्थलों व हर वर्ग के लोगों के घरों के आसपास हाईमास्ट लाइटें लगवाने की कवायद किया है। वे अपनी निधि से इस कार्य को करायेगे। जिसके लिये उन्होंने सीडीओ को पत्र निधि से धन अवमुक्त कराने के लिये पत्र लिखा है। 41 स्थानों पर होगा उजियारा विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने इसौली विधानसभा

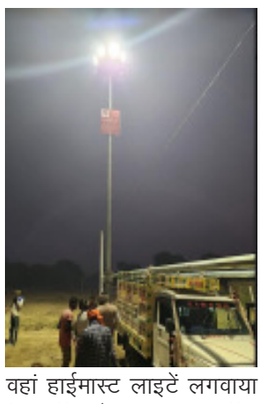

क्षेत्र में फिलहाल 41 स्थानों को चिन्हित कर वहां हाईमास्ट लाइटें लगवाया जाएगा। इसमें बल्दीराय ब्लॉक के 12, धनपतगंज ब्लॉक के 8, कुड़वार ब्लॉक के 13 व दूबेपुर ब्लॉक के 8 इलाके लिये गये हैं। उन्होंने ये भी बताया कि जिन 41 स्थानो पर लाइटें लगाई जानी हैं उनमें 8 मस्जिद–मजार व कब्रिस्तान, 6 मंदिर व धाम शामिल हैं।इसके अलावा पंचायत भवन, क्षेत्र के प्रमुख मार्गों, प्रमुख बाजारों पर भी हाईमास्ट लगाये जायेंगे।

भगवान बुद्ध की प्रतिमा को केसरिया रंग से पेंट करने पर विवाद : प्राचार्य ने दी सफाई

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ विश्वविद्यालय का कला एवं शिल्प महाविद्यालय अपना 111वां स्थापना दिवस समारोह शुक्रवार से मनाई जाएगी। इसी क्रम में चल रही तैयारियों के तहत मुख्यद्वार पर कंक्रीट से बनी भगवान बुद्ध की मूर्ति को केसरिया रंग से रंग दिया गया। इसे लेकर कलाकारों व कॉलेज के

शिक्षकों ने नाराजगी दिखाई है। मामला सोशल मीडिया में भी वायरल हो गया। आनन–फानन उसे दोबारा पहले की तरह सफेद रंग में रंगवाया गया। हालांकि, कॉलेज प्राचार्य डॉ. रतन कुमार का कहना है कि ऐसा काम कर रहे मजदूर की गलती से हुआ है। उसने दीवार पेंट करने के दौरान गलती से मूर्ति को पेंट कर दिया है। उसे तुरंत रुकवाकर, पहले के स्वरूप में किया गया है।

श्री गुरु गोबिन्द सिंह के चारो साहिबजादों एवं माता गुजर कौर का मनाया गया शहीदी दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। माता गुजरी सत्संग सभा की ओर से सरबंसदानी साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारो साहिबजादों (साहिब अजीत सिंह जी, साहिब जुझार सिंह जी, साहिब जोरावर सिंह जी, साहिब फतहि सिंह जी) एवं उनकी माता, माता गुजर कौर जी का शहीदी दिवस ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री नानक देव जी नाका हिन्डोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः सुखमनी साहिब के पाठ से दीवान का आरम्भ हुआ, तत्पश्चात हजूरी रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने पवित्र आसा दी वार का शबद कीर्तन गायन द्वारा समूह संगत को निहाल किया। दिनॉक 10 दिसम्बर को शहीदी दिवस को समर्पित रखे गये सहज पाठ की समाप्ति के उपरान्त मुख्य ग्रन्थी ज्ञानी संच्चा सिंह जी पटियाला वालों ने सरबंसदानी साहिब श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारो साहिबजादों एवं उनकी माता, माता गुजर कौर जी का शहीदी दिवस पर कथा व्याख्यान करते हुए कहा कि चमकौर की गढ़ी में श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी के बडेध साहिबजादे बाबा अजीत सिंह एवं बाबा जुझार सिंह ने 10 लाख मुगल फौज का सामना करते हुए शहादत प्राप्त की और श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतहि सिंह ने जब इस्लाम नहीं कबूल किया तो उन्हें सरहंद के नवाब ने सरहंद में ही जिन्दा नींव में चुनवा कर शहीद कर दिया। यह ऐतिहासिक घटना दिसम्बर माह में 1704 को हुई थी। पोतों की शहादत के बाद माता गुजर कौर जी ने भी अपने प्राण त्याग दिये। सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी के सदस्यों ने "मित्तर प्यारे नूँ हाल मुरीदां दा कहना'' सिमरन साधना परिवार के बच्चों ने "सूरा सो पहचानिअै लरै दीन के हेत। पुरजा–पुरजा कट मरे कबहु न छाडै खेत।।" शबद कीर्तन गायन कर समूह संगत को भाव विभोर किया। रागी जत्था भाई चमनजीत सिंह जी लाल दिल्ली वालों ने "गुर किरपा जिह नर कउ कीनी तिह इह जुगति पछानी।।" शबद कीर्तन गायन

कर साध संगत को निहाल किया। भाई इन्दरजीत सिंह जी सादिक जी अमुतसर वालों ने "साच कहों सुन लहो सभै जिन प्रेम कीओ तिन ही प्रभु पाइयो।।" शबद कीर्तन गायन किया। भाई गुरमीत सिंह जी ऊना साहिब वालों ने गुरबाणी कीर्तन "पहिला मरणु कबूलि जीवन को छड़ि आस, होहु समना की रेणुका तउ आउ हमारे पासि।।" गायन कर समूह संगत को निहाल किया। दिन भर गुरबाणी कीर्तन तथा गुरमत विचारों का कार्यक्रम चला जिसका संचालन स0 सतपाल सिंह मीत ने किया। दीवान की समाप्ति के उपरान्त लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने चारो साहिब जादों एवं माता गुजर कौर की शहादत को एक बड़ी शहादत कहा और अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। और समागम मै महत्वपूर्ण योगदान के लिए पंजाबी महासभा के अनिल वर्मानी, राजकुमार बत्रा, पवन मनोचा और सुरेश तेजवानी का हार्दिक आभार प्रकट किया। समागम में लंगर के वितरण की सेवा हरमिन्दर सिंह टीटू एवं कुलदीप सिंह सलूजा , इंदरजीत सिंह की देखरेख में दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा की गयी। जोड़ा घर में जूते–चप्पल की सेवा सिक्ख सेवक जत्थे के राजवन्त सिंह बग्गा, कुलवन्त सिंह तथा अन्य सदस्यों द्वारा की गई।

शाइन सिटी घोटाला : याचियों का दावा–केंद्र के सहयोग से ही नेपाल से छूटा था मुख्य आरोपी सीईओ राशिद

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट में 68 हजार करोड़ रुपये के शाइन सिटी घोटाले में बुधवार को याचियों ने बताया कि 2019 में शाइन सिटी का सीईओ राशिद नसीम नेपाल में पकड़ा गया तो उसे छुड़ाने में केंद्र सरकार ने ही मदद की थी। कोर्ट ने टिप्पणी की, इसीलिए केंद्र सरकार मामले में अब तक अपना हलफनामा दाखिल नहीं कर सकी है। करीब सवा घंटे की बहस के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए नौ जनवरी तय कर दी। श्रीराम राम सहित कई अन्य की ओर से दाखिल याचिकाओं पर मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने जांच एजेंसियों की विवेचना पर एक बार फिर असंतुष्टि जताई। कहा, एजेंसियां जांच के नाम पर केवल पत्राचार कर रही हैं। आरोपी फैज अहमद कासिर जिलानी अपने नाम से दो आधार कार्ड व पैन कार्ड बनवाकर लोगों को धोखा दे रहा है। उसने दो बैंक खाते भी खोल लिए हैं। दुबई में बैठा मुख्य आरोपी राशिद नसीम पासपोर्ट बनवा ले रहा है, लेकिन जांच एजेंसियां कार्रवाई नहीं कर पा रही हैं। कंपनी से जुड़े अभियुक्तों पर प्रदेश के विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज है। अभियुक्त फरार हैं। जेल में निरुद्ध अभियुक्त पॉवर ऑफ अटार्नी बदलकर बैनामा कर रहा है, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। यूपी, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र सहित कई प्रदेशों में कंपनी अपना जाल बिछाकर लोगों से पैसा हड़प रही है। जांच एजेंसियां लगाम तक नहीं लगा पा रही हैं। केंद्र सरकार जवाब नहीं दे रही है। आरोपी यूट्यूब पर वीडियो पोस्ट कर रहा है। केंद्र सरकार की ओर से एएसजीआई शशि प्रकाश सिंह ने कोर्ट को बताया कि यूट्यूब चौनल ब्लॉक करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन विभाग ने पत्र भेजा है। चौनल अभी ब्लॉक नहीं किए गए। इस पर कोर्ट ने पूछा कि आदेश के बावजूद चौनल क्यों नहीं बंद हुए। इसका जवाब नहीं मिलने पर कोर्ट ने सीबीआई के अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश से रेड कॉर्नर नोटिस का अपडेट पूछा। उन्होंने बताया, पिछले वर्ष से ही रेड कॉर्नर नोटिस जारी है। आरोपी राशिद नसीम की पत्नी सलमा परवीन और आसिफ नसीम की पत्नी जीनत फातमा की भव्या ब्रॉडकास्ट में हिस्सेदारी जानने पर बताया गया कि दोनों का हिस्सा 70 फीसदी है। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने बताया, ये दोनों किसी केस में अभियुक्त नहीं हैं। याचियों के अधिवक्ता एसएन श्रीवास्तव ने बताया, राशिद नसीम के भतीजे फैज अहमद और राशिद के बड़े भाई आकिब के खिलाफ 2020 में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है। राशिद के पासपोर्ट निरस्तीकरण के सवाल पर जब यूपी सरकार केअधिवक्ता ने बताया कि उसने दुबई स्थित भारतीय दूतावास से अपने पासपोर्ट

का नवीनीकरण करा लिया है तो कोर्ट की हैरानी और बढ़ गई। सवाल किया कि एजेंसियां कैसी जांच कर रही हैं। शाइन सिटी की संपत्तियों की बिक्री पर रोक प्रयागराज के बारा तहसील के मौजा कांटी में शाइन सिटी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की जमीन की बिक्री पर प्रवर्तन निदेशालय ने रोक लगा दी है। इस बारे में प्रवर्तन निदेशालय ने सहायक महानिदेशक निबंधन को पत्र भेजा है। कंपनी की यहां करीब 100 बीघे जमीन है। शाइन सिटी ने वर्ष 2016 से 2019 के बीच कई बार इस जमीन का बैनामा कराया था।शाइन सिटी कंस्ट्रक्शन कंपनी ने किसानों से 123 गाटा खरीदकर निबंधन कार्यालय में करीब 80 बिक्रय अनुबंध पंजीकृत कराए थे। जमीन की खरीद के बाद यहां गेट लगाकर चहारदीवारी कराकर पौधे रोपे गए। जमीन बेचने के लिए कई ऑफर दिए गए। कई अधिकारियों समेत दर्जनों लोगों ने प्लॉट खरीदे लेकिन उन्हें कब्जा नहीं मिला। दो वर्ष बाद जब कब्जा नहीं मिला तो पीड़ितों ने न्यायालय की शरण ली। इसकी जांच क्राइम ब्रांच और प्रवर्तन निदेशालय को सौंपी गई। प्रवर्तन निदेशालय के सहायक निदेशक राहुल वर्मा ने आठ दिसंबर को सहायक महानिदेशक, निबंधन प्रयागराज को जांच पूरी होने तक शाइन सिटी के नाम से खरीदी गई संपत्ति किसी अन्य के नाम क्रय बिक्री पर रोक लगा दी है। आदेश की प्रति उप निबंधन कार्यालय, बारा को भेजी गई है। बैनामे के बाद कब्जा न मिलने पर कंपनी के विरुद्ध धोखाधड़ी की शिकायत हुई और कंपनी निदेशक पर मुकदमा दर्ज हुआ। वाराणसी जोन की क्राइम ब्रांच ने भूमि की जानकारी जुटानी शुरू की। फिर प्रवर्तन निदेशालय ने पत्र जारी कर शाइन सिटी से जुड़ी भूमि की खरीद–बिक्री पर रोक लगा दी। लोगों को ऐसे ठगा मौजा कांटी में पांच वर्ष पूर्व शाइन सिटी कंपनी ने किसानों से जमीन लेकर प्लॉटिंग शुरू की। पहले बीस बीघे जमीन खरीदकर 50 बीघे का नक्शा तैयार किया। फिर उसी के आधार पर ब्रिकी शुरू की गई। लेकिन, कंपनी ने खरीदी गई भूमि से अधिक रकबा बेच दिया। इससे लोगों को कब्जा नहीं मिल सका। भूमि खरीदने वाले जय मिश्र, सुनील कुमार, सुनीता देवी, माया, अंजली, रामायण प्रसाद आदि ने बताया कि किस्तों में पूरी रकम अदा करने के बाद कंपनी ने बैनामा कर दिया, लेकिन मौके पर कब्जा देने वाला कोई नहीं मिला। मौजा कांटी में शाइन सिटी के नाम से भूमि की खरीद–बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इस आशय का आदेश सहायक महानिदेशक निबंधन, प्रयागराज से मिला है। इसका अनुपालन कराया जाएगा।

सीडीओ ने जल जीवन मिशन को सफल बनाने के लिए किया समीक्षा बैठक

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : विकास भवन सभागार में सीडीओ संजय कुमार मीना ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में बन रहे ओवर टैंक सहित अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारी अपने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जल जीवन मिशन हर घर कल योजना को सफल बनाने में अगर किसी प्रकार की कोताही किसी अधिकारी द्वारा बरती जाएगी तो उक्त अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी इसलिए सभी संबंधित अधिकारीगण अपने अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए जल जीवन मिशन हर घर कल योजना को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दें जिससे हर ग्रामीण को शुद्ध जल मिल सके सीडीओ संजय मीना ने कहा कि हर घर तक जल पहुंचाने के लिए चलाई जा रही जल जीवन मिशन योजना बेहद महत्वपूर्ण है। पेयजल से वंचित गांवों के लिए नई योजनाएं बनाए जाने के साथ ही हर घर तक नल पहुंचाने का कार्य इस योजना के तहत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजना बनाने तक ही सीमित न रहें बल्कि हर घर में संयोजन जोड़ने पर भी ध्यान दें तभी योजना का उद्देश्य पूरा होगा सीडीओ संजय कुमार मीना ने संबंधित अधिकारियों

को जो अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन ना करते हुए गलत रिपोर्ट प्रेषित किए थे उनके ऊपर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अगर भविष्य में इस तरह गैर जिम्मेदाराना रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करते हुए शासन को लिखा जाएगा इसलिए अपने अपने आदतों में संबंधित अधिकारी सुधार ले आए और दिए गए लक्ष्य को प्राप्त करते हुए जल जीवन मिशन को सफल बनाकर हर घर कल लगाकर शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य करें जिससे हर घर शुद्ध जल पहुंच सके बैठक में जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

यातायात पुलिस ने शहर के सभी चौराहों पर चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान : जेब्रा क्रासिंग पार करने वाले चालकों पर हुई कार्यवाही

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) बुधवार को शहर के रिकाबगंज चौराहा सहित एक दर्जन से अधिक चौराहे पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज व सीओ यातायात प्रमोद कुमार यादव के दिशा निर्देश पर यातायात निरीक्षक आशुतोष शुक्ला ने यातायात नियम की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसा।चेकिंग अभियान में यातायात निरीक्षक श्री शुक्ला ने खासकर उन वाहन चालकों पर शिकंजा कसा जो जेब्रा क्रासिंग पार कर आगे बढ़ गये थे।जिसके चलते उन वाहन चालकों का यातायात पुलिस ने चालान किया।वही इस दौरान उन वाहन स्वामियों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्यवाही किया जिनके वाहनों के आगे व पीछे लाइट के साथ साथ इंडीकेटर सही ढंग से नहीं पाया गया। वही उन पर शिकंजा कसा गया जो वाहन चालक अपने अपने वाहनों में नंबर प्लेट का गलत दुरुपयोग किया था।बुधवार को शहर के रिकाबगंज चौराहा के अलावा चौक, पुष्पराज चौराहा, फतेहगंज चौराहा, नाका, शांति चौक रायबरेली रोड, नवीन मंडी चौराहा, बेनीगंज तिराहा,उदया पब्लिक स्कूल चौराहा, देवकाली बाईपास चौराहा, देवकाली तिराहा,रीडगंज तिराहा सहित कई प्रमुख तिराहे

व चौराहे पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।जहां पर पुलिस ने यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसा।इस मौके पर यातायात निरीक्षक आशुतोष शुक्ला ने वाहन चालकों से अपील किया कि इस समय कोहरे से सड़क हादसे में इजाफा हो सकता है।जिससे बचने के लिये सभी वाहन चालक अपने अपने वाहनों की लाइट को सही रखें। इंडीकेटर सही ढंग से रखे।चार पहिया वाहनों के आगे पीछे व दोनों ओर रिफ्लेक्टर का प्रयोग करें। जिससे आप सड़क हादसों से बचें।वही आप सभी वाहन चालक अपने अपने वाहनों से संबंधित कागजात साथ में रखें व वाहन चलाते समय सीट बेल्ट व हेलमेट का प्रयोग करें।वही इसी कड़ी में उन्होंने सभी वाहन चालकों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जो भी वाहन चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए पाया गया तो पुलिस उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करेगी।

मनरेगा 2023 24 लेबर बजट कार्य योजना के लिए की गई बैठक

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : मनरेगा 2023 24 का लेबर बजट कार्य योजना तैयार कराए जाने की लिए सीडीओ संजय कुमार मीना द्वारा निर्देश दिए गए थे लेकिन संबंधित विभागों द्वारा निर्धारित प्रारूप पर कार्य योजना उपलब्ध नहीं कराया गया जिसके लिए विकास भवन सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द मनरेगा के अंतर्गत कार्य कराए जाने वाले 2023 24 की कार्य योजना बनाकर भेजें जिससे आम बजट में मनरेगा मजदूरों की मजदूरी करने के लिए अपना गांव घर छोड़कर शहर प्रदेशों में ना जाना पड़े उन्हें अपने गांव में ही मजदूरी मिल सके जिससे उनके बाल बच्चों का जीविकोपार्जन सही तरीके से चल सके बैठक में सीडीओ संजय कुमार मीना ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारीगण कार्य योजना बनाकर जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं जिससे शासन स्तर पर मनरेगा योजना के अंतर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की सूची भेजी जा सके बैठक में जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

पेड़ पर लकड़ी काटते समय जमीन पर गिरने से हुई मौत

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : घटना थाना बल्दीराय के वलीपुर चौकी के हेमनापुर गांव की है जहां पर रंजीत निषाद पुत्र रामदीन निषाद उम्र लगभग 22 वर्ष लकड़ी काटने पेड़ पर चढ़ा था कि पैर फिसलने से नीचे गिर गया । परिवारीजन उसे पी एच सी ले गये। हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया । जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। मृत्यु की सूचना पर घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पी एम के लिए भेज दिया । बताते चलें कि रंजित घर का इकलौता लड़का था।

पांचवीं बेटी पैदा हुई तो नवजात के मुंह पर थूका और फिर जड़े थप्पड़ : इस बेरहमी पर डॉक्टर भी चौंके

रायबरेली ब्यूरो : यूपी के रायबरेली के लालगंज में पांचवीं बेटी होने से खफा एक पिता ने नवजात के मुंह पर थूक दिया। उसे थप्पड़ मारने लगा। बच्चे की रोने की आवाज सुनकर वहां मौजूद चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ अन्य मरीज व उनके तीमारदार भौचक्के रह गए। लोगों ने उसे ऐसा करने से मना किया तो वह झगड़े पर उतारू हो गया। चिकित्सक ने जब पुलिस बुलाने की बात कही तो आरोपी वहां से भाग निकला। गंगापुर बरस गांव निवासी दूरपतिया (30) को प्रसव पीड़ा होने पर पति माधव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। मंगलवार शाम करीब पांच बजे महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। जब जच्चा–बच्चा को लेबर रूम से वार्ड में लाया जा रहा था, तभी बच्ची का पिता बेटी को देख अपना आपा खो बैठा और नवजात के मुंह पर थूक दिया। उसे कई थप्पड़ जड़े। मौजूद अन्य लोगों ने जब उसके इस कृत्य पर एतराज जताया तो वह झगड़े पर आमादा हो गया। हंगामा देखकर वहां तैनात चिकित्सक डॉ. दुर्गेश नंदिनी ने जब पुलिस बुलाकर गिरफ्तार कराने की बात कही तो आरोपी पिता वहां से भाग निकला। वार्ड

में भर्ती सैमसी निवासिनी नीतू, कोनी की महिमा सिंह व श्यामा सिंह ने बताया कि लोगों ने जब प्रसूता के पति को ऐसा करने से मना किया तो वह सभी से झगड़ने लगा। प्रसूता ने वहां मौजूद लोगों से बताया कि उसका पति पांचवीं बेटी होने पर नाराज है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार गौतम ने बताया कि आरोपी के इस अमानवीय कृत्य पर फटकारा गया और अस्पताल से जाने के लिए कह दिया गया था।

नमामि गंगे का सचः बायोरेमेडियल ट्रीटमेंट के बाद भी गंगा में गिर रहा घरों का गंदा पानी

प्रयागराज ब्यूरो : माघ मेले में संतों–भक्तों को संगम पर डुबकी लगाने के लिए निर्मल गंगा की धारा मिलेगी या नहीं, यह कहना जल्दबाजी होगी। छह जनवरी को प्रथम स्नान पर्व है, लेकिन इससे पहले कई स्नान घाटों पर स्नान योग्य जल नहीं रह गया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद बायोरेमेडियल ट्रीटमेंट के बावजूद झूंसी, नैनी समेत शहर के 60 नालों का गंदा पानी गंगा–यमुना में जा रहा है। झूंसी के किनारे गंगातट पर आठ नालों से गंदा पानी ट्रिटमेंट कर गंगा में गिराया जा रहा है। हालत यह है कि झूंसी के गंगा घाटों पर पानी स्नान करने लायक भी नहीं रह गया है। इसके साथ ही रसूलाबाद तथा दारागंज घाट पर भी गंगा का जल काला होता जा रहा है। उधर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अफसरों का दावा है कि नालों से गिरने वाले गंदे पानी को पूरी तरह से ट्रीटमेंट करके ही गंगा में गिराया जा रहा है। प्रयागराज में गंगा की सेहत के पीछे बीओडी (बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड) की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंचना है। जल निरंतर कम होने से भी गंगा में प्रदूषण की मात्रा बढ़ रही है। घाट के किनारे रहने वाले लोगों का कहना है कि प्रवाह कम होने के साथ ही जल का रंग भी बदल रहा है। रसूलाबाद घाट से पहले राजापुर एसटीपी से गंदा पानी ट्रीटमेंट करके गंगा में भेजा जाता है। दारागंज घाट पर भी ट्रीटमेंट के बाद ही पानी गंगा में गिराया जा रहा है। कमोवेश यही स्थिति झूंसी के छतनाग घाट पर भी है। लेकिन, यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि एसटीपी का पानी जहां भी शोधित होकर गंगा में गिर रहा है, वहीं पर प्रदूषण ज्यादा है। उधर, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने माघ मेला से पहले गंगा–यमुना में पानी की नियमित जांच शुरू कर दी है। बोर्ड ने बुधवार को भी गंगा और यमुना के जल के नमूनों की जांच की। जांच में झूंसी के पास डाउन स्ट्रीम में गंगा का बीओडी स्तर तीन मिलीग्राम प्रति लीटर मिला है। हालांकि संगम पर गंगा का बीओडी 2.7 मिलीग्राम प्रति लीटर पाया गया है। इसी तरह यमुना का बीओडी लोड 2.8 मिलीग्राम प्रति लीटर है। गंगा का बीओडी तीन मिलीग्राम प्रति लीटर पर होना खतरे की घंटी माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि जल निरंतर कम होने से यह नौबत आई है। महाकुंभ से पहले नालों को बंद करने की योजना दो साल बाद 2025 में गंगा की रेती पर लगने वाले महाकुंभ की परियोजना में गंगा में बढ़ रहे प्रदूषण के बिंदु को भी शामिल किया गया है। परियोजना में यह तय किया गया है कि महाकुंभ से पहले सभी 60 नालों को बंद कर दिया जाए। परियोजना में इस बिंदु को प्रमुखता से रखा गया है। क्योंकि प्रयागराज में गंगा की निर्मलता को दूषित करने का सबसे बड़ा कारण यही नाले बने हुए हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य में जुटा हुआ है। गंगा की निगरानी पहले से बढ़ा दी गई है। अब कोशिश हो रही है कि गंगा का बीओडी और न बढ़े। हालांकि, गंगा–यमुना में डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन बेहतर होने से जलीय जीवों को कोई खतरा नहीं है। जांच के जरिए पता लगाया जा रहा है कि प्रदूषण कैसे बढ़ रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की वजह से गंगा में प्रदूषण बढ़ा हुआ दिख रहा है। इसके लिए विशेष तैयारी के साथ कार्य करेंगे। – आरके सिंह, क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड। एसटीपी निर्माण समय पर नहीं हुआ तो कैसे साफ होंगी गंगा नालों के गंदा पानी को गंगा–यमुना में गिरने

से रोकने के लिए तीन नए एसटीपी का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हो सका है। जल निगम को निर्माण पूरा कराने के लिए दो साल का समय दिया गया था। कोरोना संक्रमण की पाबंदियों के कारण एक साल का अतिरिक्त समय दिया गया, उसके बाद भी एसटीपी निर्माण का कार्य पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में गंगा की निर्मलता के दावे की हकीकत को समझा जा सकता है। झूंसी, नैनी और फाफामऊ में तीन नए एसटीपी निर्माण का कार्य चल रहा है। इसमें नैनी में 42 एमएलडी, झूंसी में 16 और फाफमऊ में 14 एमएलडी के एसटीपी का निर्माण कार्य 2019 में शुरू हुआ था। तीनों एसटीपी का कार्य पूरा करने के लिए दो साल का समय दिया गया था। इस बीच कोरोना महामारी के कारण समय पर कार्य पूरा नहीं हो सका, ऐसे में निर्माण कराने वाली संस्था को एक साल का अतिरिक्त समय देते हुए सितंबर 2022 तक पूरा करना था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। नमामी गंगे परियोजना के अधीक्षण अभियंता एके सिंह के मुताबिक नैनी में बन रहा 42 एमएलडी के एसटीपी का कार्य पूरा हो गया और उसे नवंबर में शुरू कर दिया गया है। फाफामऊ में बन रहे 14 एमएलडी के एसटीपी निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है और इसी माह उसे भी शुरू करने की तैयारी है। जहां तक झूंसी में बन रहे एसटीपी की बात है, तो उसका कार्य भी तेजी से चल रहा है। उम्मीद है कि अगले साल मार्च 2023 में उसे भी शुरू कर दिया जाएगा। अधिकारियों की माने तो तीनों एसटीपी शुरू होने के बाद गंगा और यमुना में नालों का गंदा पानी सीधे नहीं जा सकेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने की गंगा के पानी की जांच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की दो टीमों ने गंगा के पानी के नमूने लिए। टीम ने गंगा में प्रदूषण बढ़ने के कारणों की जांच की। सोमवार से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चार सदस्यीय टीम प्रयागराज में डेरा डाले थी। लखनऊ से तीन दिवसीय दौरे पर प्रयागराज पहुंची सीपीसीबी की टीम पानी के नमूने लेने के लिए बुधवार को शहर के अलग–अलग हिस्सों में गई। सीपीसीबी की टीम ने चिह्नित नालों के अलावा जांच के लिए गंगाजल के भी नमूने लिए। मंगलवार को भी सीपीसीबी की टीम ने रसूलाबाद घाट से गंगाजल के नमूने लिए थे। इसके बाद टीम घाट के पास ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर, रसूलाबाद श्मशान घाट के पास जोंधवल का नाला, शंकरघाट नाला, शिवकुटी में चिल्ला नाला, नेहरू पार्क का नाला, फाफामऊ का बसना नाला, राजापुर नाला और लोतेहरन नाले से पानी के नमूने लिए गए। बुधवार को जांच टीम ने नैनी नाला, पोंगहट नाला, राजापुर नाला, सलोरी नाला से सैंपक एकत्र किए। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि सीपीसीबी की दोनों टीमों द्वारा एकत्र किए गए नमूनों की जांच लखनऊ के लैब में की जाएगी। इसकी रिपोर्ट अगले सप्ताह तक आने की उम्मीद है। गंगा तट के किनारे करोड़ों की लागत से तैयार हो रही एसटीपी झूंसी में गंगातट पर करोड़ों की लागत से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किया जा रहा है। तकरीबन दो साल बाद गंगा की रेती पर लगने वाले महाकुंभ से पहले एसटीपी बनकर तैयार हो जाएगा। यहां एसटीपी के कई चौंबर बनकर तैयार हो गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि झूंसी की एसटीपी तैयार होने के बाद यहां के दो दर्जन से ज्यादा गांवों तथा सैकड़ों कालोनियों का गंदा पानी साफ होकर गंगा में गिराया जा सकेगा। अब तक झूंसी की आवासीय कॉलोनियों का पानी बायोरेमेडिकल विधि से शोधित कर गंगा में किराया जा रहा है। इसके साथ ही नैनी और फाफामऊ में भी एसटीपी के जरिये ही गंदा पानी शोधित कर गंगा में गिराया जाएगा।

अब राशन में सामान्य नहीं फोर्टिफाइड चावल मिलेगा

अयोध्या (संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। कुपोषण और रक्त अल्पता से बचाव के लिए अब राशन की दुकानों पर भी फोर्टिफाइड चावल बांटा जाएगा। इस संबंध में संभागीय खाद्य नियंत्रक ने आदेश जारी कर दिए हैं। इस चावल में एक फीसद फोर्टिफाइड राइस कर्नेल मिला रहेगा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि ग्रामीणों में खासकर कमजोर तबके में और प्राइमरी स्कूलों में जाने वाले बच्चों में कुपोषण की समस्या बहुत है। इसके अलावा खून की कमी भी बहुतायत में पाई जाती है। यह देखते हुए ही शासन ने राशन की दुकानों पर फोर्टिफाइड राशन बांटने का निर्णय लिया है। यह जानकारी देते हुए संभागीय खाद्य नियंत्रक सत्येंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि फोर्टिफाइड चावल का मतलब यह होता है कि सामान्य चावल में चावल के आकार–प्रकार का ही एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) 1001 के अनुपात में मिश्रित होता है। आधुनिक एफआरके प्लांट से चावल के आटे में फोलिक एसिड, विटामिन बी12 व आयरन के बने प्रिमिक्स को मिलाकर एफआरके तैयार किया जाता है। यह कमजोर, कुपोषित व रक्ताल्पतता रोग से पीड़ित व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी होता है। सामान्य रूप से यह एफआरके अपेक्षाकृत हल्का होता है।

जयंती पर याद किये गए स्व० रामबली मिश्रा

हरदोई।पिहानी भाजपा कार्यालय पर जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा जी के पिता वरिष्ठ भाजपा नेता स्व० रामबली मिश्रा जी की जयंती पर

पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई उसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ० जुबैर जी की मौजदूगी में मरीजो को फल वितरण किया गया कार्यक्रम के आयोजक विमलेश गुप्ता, आदर्श सिंह, बृजेश गुप्ता, डॉ० मुजाविर हुसैन जैदी, गौरव गुप्ता, नीरज सिंह, सेठ अरुण गुप्ता, रमाकांत शास्त्री, रवि गुप्ता, अवधेश रस्तोगी, शोजब जैदी, दिनेश अर्कवंशी, रामसिंह कुशवाहा, प्रियांशू गुप्ता, प्रदीप अवस्थी, अजय मिश्रा, डॉ० रहमत अली, धीरज गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे!

पेंसिल का छिलका गले में फंसनें से छात्रा की मौत : दर्द से कराहती मासूम ने तड़प–तड़पकर तोड़ा दम

कानपुर ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। बुधवार की शाम को हुए इस हादसे ने सबको झकझोर दिया। हमीरपुर के राठ पेंसिल की छीलन गले में फंसने से कक्षा एक की छात्रा की मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ी वीर गांव निवासी नंदकिशोर ने बताया बुधवार शाम उनका पुत्र अभिषेक (12), पुत्रियां अंशिका (8) व अर्तिका (6) छत पर बैठकर पढ़ाई कर रहीं थीं। होमवर्क करने के लिए अर्तिका मुंह में कटर दबाकर पेंसिल छील रही थीं। तभी पेंसिल की छीलन कटर से निकलकर स्वांस नली में फंस गई। दर्द से कराहती मासूम जमीन पर गिरकर तड़पने लगी। परिजन उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉ. सत्येंद्र यादव ने मृत घोषित कर दिया। वह गांव के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा थी। मां अनीता का रो रो कर बुरा हाल है। डॉक्टर ने बताया परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। बच्चों की गतिविधि पर रखें नजर सीएचसी के डॉ सत्येंद्र कुमार यादव ने बताया छोटे बच्चों पर नजर रखना आवश्यक है। जिससे हादसों से बचा जा सकता है। कहा कुछ बच्चे लेट कर खाना खाते हैं अथवा पानी पीते हैं। यह जिंदगी के लिए घातक हो

सकता है। स्वांस नली में खाना फंसने पर मौत तक हो सकती है। पेन–पेंसिल का प्रयोग सावधानी से कराएं। इनसे बच्चे की आंख जख्मी हो सकती है। बिस्तर पर पड़ी पेंसिल व पेन असावधानी में शरीर पर चुभने की आशंका रहती है। बच्चों की आदत कुछ भी उठा कर मुंह में रखने की होती है जिस पर अभिभावकों को ध्यान देने की जरूरत है।

खौफ : लौट रहा है कोविड का एक्सबीबी वेरिएंट

अयोध्या (संवाददाता) सुरेंद्र कुमार। सभी को मास्क पहनने की सलाह दी जाती है क्योंकि COVID–Omicron XBB कोरोनावायरस का नया संस्करण अलग, घातक और सही तरीके से पता लगाना आसान नहीं है। नए वायरस Covid-Omicron XBB के लक्षण निम्नलिखित हैं: खांसी नहीं होती है। बुखार नहीं है। इनमें से कुछ सीमित संख्या में ही होंगे: जोड़ों का दर्द। सिरदर्द। गर्दन में दर्द। ऊपरी कमर दर्द। निमोनिया। आमतौर पर भूख नहीं लगती है। कोविड–ओमिक्रॉन एक्सबीबी डेल्टा संस्करण की तुलना में 5 गुना अधिक विषैला है और इसकी मृत्यु दर इससे अधिक है। स्थिति को चरम गंभीरता तक पहुंचने में कम समय लगता है और कभी–कभी कोई स्पष्ट लक्षण नहीं होते हैं। आइए और अधिक सावधान रहें! वायरस का यह तनाव नासॉफिरिन्जियल क्षेत्र में नहीं पाया जाता है और अपेक्षाकृत कम समय के लिए सीधे फेफड़ों को प्रभावित करता है। Covid-Omicron XBB के निदान वाले कई रोगियों को ज्वरनाशक और दर्द रहित के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन एक्स–रे में हल्का छाती निमोनिया दिखा।कोविड–ओमिक्रॉन एक्सबीबी के लिए नेजल स्वैब परीक्षण अक्सर नकारात्मक होते हैं, और झूठे नकारात्मक नासॉफिरिन्जियल परीक्षणों के मामले बढ़ रहे हैं। इसका मतलब है कि वायरस समुदाय में फैल सकता है और सीधे फेफड़ों को संक्रमित कर सकता है, जिससे वायरल निमोनिया हो सकता है, जो बदले में तीव्र श्वसन संकट का कारण बनता है। यह बताता है कि क्यों कोविड–ओमिक्रॉन एक्सबीबी बहुत संक्रामक,अत्यधिक विषैला और घातक बन गया है।सावधानी रखें भीड़–भाड़ वाली जगहों से बचें, खुले स्थानों में भी 1.5 मीटर की दूरी बनाए रखें, डबल–लेयर मास्क पहनें, उपयुक्त मास्क पहनें, हाथों को बार–बार धोएं, भले ही हर कोई स्पर्शोन्मुख (खांसने या छींकने वाला) न हो। Covid-Omicron XBB की यह लहर ब्वअपक–19 की पहली लहर से भी घातक है। इसलिए हमें बहुत सावधान रहना होगा और कोरोनावायरस के खिलाफ कई प्रबलित सावधानियां बरतनी होंगी।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।